स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी, हां।

(ख) उपलब्ध सूचना के अनुसार नर्सिंग छात्रों को तीन महीने के प्रारम्भिक क्लासरूम प्रशिक्षण के बाद अस्पतालों में ड्यूटी पर तैनात किया जाता है क्योंकि नर्सिंग की दक्षता केवल बाद क्लास रूम में नहीं सीखी जा सकती है ।

(ग) फिलहाल सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं है ।

नई दिल्ली और पटना के बीच सुपर फास्ट रेलगाड़ी

218. **श्री जगदम्बी प्रसाद यादव** : क्या **रेल** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार यात्रियों की सुविधा के लिए तिनसुकिया मेल को नई दिल्ली से होकर चलाने और पटना जाने वाले यात्रियों की सुविधा के लिए 922 सुपर-फास्ट रेलगाड़ी को नई दिल्ली से शाम के समय चलाने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं; और

(ख) क्या यह रेलगाड़ी केवल गाड़ी चलने के स्थान पर और समाप्त होने वाले स्थान के यात्रियों के लिए चलाई जा रही है या इन दोनों स्टेशनों के बीच पड़ने वाले स्टेशनों के यात्रियों के लिए भी है ?

रेल मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री माधवराव सिंधिया) : (क) वर्तमान व्यवस्था के अनुसार असम के लिए तिनसुकिया मेल दिल्ली से शाम को तथा नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस नयी दिल्ली से सुबह रवाना होती है । परिचालनिक कारणों की वजह से तिनसुकिया मेल को नयी दिल्ली के रास्ते चलाना या 922 नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस को शाम के समय रवाना करना व्यावहारिक नहीं है ।

(ख) मूल रूप से ये गाड़ियां उत्तर-पूर्वी क्षेत्र को जाने वाले सीधे यात्रियों के लिए चलायी गयी हैं । तथापि मार्गवर्ती महत्वपूर्ण स्टेशनों के यात्रियों को भी ये सेवाएं उपलब्ध होती हैं ।

स्त्री रोगों के लिए महिला डाक्टर

220. **श्री सूरज प्रसाद** : क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि पिछले कुछ वर्षों से दिल्ली नगर निगम तथा केन्द्र सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों, जैसे इर्विन अस्पताल, कस्तूरबा गांधी अस्पताल, डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, सफदरजंग अस्पताल, इत्यादि में स्त्री रोगों की जांच के लिए महिला डाक्टरों के स्थान पर पुरुष डाक्टर तैनात किये गये हैं जिसके कारण उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, इत्यादि से जांच के लिए आने वाली महिलाएं पुरुष डाक्टरों से जांच कराने में अपनी बेइज्जती समझती हैं और बगैर जांच कराए वापस चली जाती हैं;

(ख) यदि हां, तो महिला रोगियों की जांच के लिए महिला डाक्टर तैनात न किये जाने के क्या कारण हैं; और

(ग) दिल्ली नगर निगम और केन्द्र सरकार के प्रत्येक अस्पताल में महिला रोगियों की जांच करने वाले पुरुष डाक्टरों की संख्या कितनी है और इस संबंध में अस्पताल-वार ब्यौरा क्या है ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में स्वास्थ्य विभाग में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) जी नहीं, तथापित, स्त्री रोग के लिए केवल महिला डाक्टरों को लगाना सम्भव नहीं है ।

(ख) इसका मुख्य कारण खासतौर से जूनियर रेजीडेंटों में महिला डाक्टरों का उपलब्ध न होना है ।

219. [*Transferred to the 14th November, 1986.*)